

MSME का पुनरुद्धार

प्रश्न पत्र- 2 (सरकारी नीतियां और हस्तक्षेप) एवं प्रश्न पत्र: 3 (भारतीय अर्थव्यवस्था और संबंधित मुद्दे)
 स्रोत- द हिन्दू

चर्चा में क्यों ?

- केंद्रीय बजट- 2023 दूरदर्शी सरकार के लिए हमारे MSME को प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अपने प्रयासों को बढ़ाने का अवसर प्रस्तुत करता है।

भारत में MSME क्षेत्र

- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME), छोटे आकार के व्यावसायिक उद्यम हैं जिन्हें उनके निवेश के संदर्भ में परिभाषित किया गया है।

MSME की नई परिभाषा

उद्योग	वार्षिक कारोबार	निवेश
सूक्ष्म	5 करोड़	1 करोड़
लघु	50 करोड़	10 करोड़
मध्यम	100 करोड़	20 करोड़

महत्व:

- भारत में, देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) और निर्यात में इसके योगदान के कारण इस क्षेत्र को प्रमुख महत्व मिला है।
- सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (MSME) क्षेत्र देश के सामाजिक-आर्थिक विकास में एक प्रमुख योगदानकर्ता है।
- इस क्षेत्र ने विशेष रूप से भारत के अर्द्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यमिता विकास के संबंध में भी अत्यधिक योगदान दिया है।
- एक आसन्न वैश्विक मंदी, आपूर्ति में व्यवधान और रूस-यूक्रेन युद्ध की चिंताओं के बावजूद, भारत एक उज्वल स्थान पर खड़ा हुआ है, जो अधिकांश प्रमुख उभरते बाजारों की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है।
- 6.3 करोड़ सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम, जो GDP का 30 % हिस्सा हैं और लगभग 11 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं, ने लचीलेपन की इस भावना का प्रदर्शन किया है।
- MSME क्षेत्र के कई उद्योगों में बिक्री पूर्व-महामारी के स्तर के 90% तक पहुंचने के साथ, भारत के छोटे व्यवसाय एक बदलाव की पटकथा लिख रहे हैं।

चुनौतियाँ

- RBI के अनुसार, MSME के खराब ऋण अब 2020 में 8.2 प्रतिशत के मुकाबले 17.33 लाख करोड़ रुपये के सकल अग्रिम का 9.6 प्रतिशत हैं। MSME क्षेत्र महामारी से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक था।
- बढ़ते घाटे और ऋण, उचित वित्तीय सहायता की अनुपलब्धता और सरकार से देरी, धन के लिए बैंकों से अनिच्छा, आदि।
- भारत में MSMEs आमतौर पर अपनी वित्तीय जरूरतों के लिए NBFCs पर भरोसा करते हैं, जो सितंबर, 2018 से ही तरलता की कमी से जूझ रहे हैं।
- देश में संचालित लगभग 86% विनिर्माण MSMEs अपंजीकृत हैं। 6.3 करोड़ MSMEs में से केवल 1.1 करोड़ ही गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) व्यवस्था के साथ पंजीकृत हैं और आयकर फाइल करने वालों की संख्या और भी कम है।

भारत में MSME क्षेत्र के लिए सरकारी पहल:

प्रधानमंत्री मुद्रा योजना

- PMMY के तहत 10 लाख रुपये तक का ऋण प्रदान किया जाता है। इसके अंतर्गत ऋण देने वाले संस्थानों (MLI) के माध्यम से; जैसे- बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (NBFC), माइक्रो फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशंस (MFI), अन्य वित्तीय मध्यस्थ आदि द्वारा तीन श्रेणियों- 'शिशु', 'किशोर' और 'तरुण' में ऋण प्रदान किया जाता है, जो विकास और वित्त पोषण की जरूरतों के चरण को दर्शाता है।
- शिशु: 50,000/- रुपये तक के ऋण को कवर करना।
- किशोर: 50,000/- और रु. 5 लाख रुपये तक के ऋण को कवर करना।
- तरुण: 5 लाख से 10 लाख रुपये तक के ऋण को कवर करना।

उद्देश्य:

- लाभार्थी को सूक्ष्म इकाई/उद्यमी की वृद्धि/विकास और वित्त पोषण की जरूरतों के चरण को इंगित करने और विकास के अगले चरण के लिए एक संदर्भ बिंदु प्रदान करना।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (CGTMSE):

- यह योजना क्रेडिट गारंटी तंत्र के माध्यम से सूक्ष्म और लघु उद्यमों को संपार्श्विक-मुक्त ऋण प्रदान करती है।

स्टैंड अप इंडिया:

- यह योजना अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST) और महिला उद्यमियों को नए उद्यम स्थापित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

सामंजस्यपूर्ण मूल्य श्रृंखला:

- भारत की मूल्य श्रृंखलाओं को शेष विश्व के साथ एकीकृत करने पर सरकार का ध्यान केंद्रित करना।

गुणवत्ता का आश्वासन:

- सरकार भारत की सफलता की कहानी में गुणवत्ता को सबसे महत्वपूर्ण कारक के रूप में बनाने पर ध्यान केंद्रित करेगी, जिसमें वैश्विक बेंचमार्क स्थापित करना, वैश्विक मानकों के साथ भारतीय मानकों का सामंजस्य स्थापित करना और उपभोक्ता गुणवत्ता की अधिक मांग करना शामिल हैं।

व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (CEPA):

- यह भारत और यूएई दोनों के MSME क्षेत्र को सरकार की निर्यात हब पहल के रूप में लाभ उठाने में मदद करेगा।
- इस पहल के तहत प्रत्येक जिले द्वारा अपने विशिष्ट उत्पादों को बढ़ावा दिया जाता है और कौन सा जिला किन उत्पादों का निर्यात करता है, यह जानकर जिलों की विशेषता की पहचान होती है।
- इस पहल से स्थानीय उत्पादों के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आगे की राह

- भारत में MSME (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) क्षेत्र एक आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न- 'MSME क्षेत्र को भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास इंजन के रूप में जाना जाता है।' इस कथन के आलोक में भारत में MSME क्षेत्र से संबंधित चुनौतियों और समाधान पर चर्चा कीजिए। (250 शब्द)